अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक चान्टिंग समिति
स्थापित 2006, बी. ई. 2550

प्रेस विज्ञप्ति
छठा अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक समारोह

बोधगया, अक्टूबर 2010

अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक चान्टिंग समिति आज यह घोषणा करती है कि दिसम्बर 2–12, 2010 के दौरान छठा अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक चान्टिंग समारोह आयोजित किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय समारोह में भाग लेने के लिए दस देशों से वरिष्ठ भिक्षुओं समेत उनके कई अनुयायी सम्मिलित होंगे और ये सभी मिलकर महाबोधि मंदिर में पाली त्रिपिटक का धर्मपाठ करेंगे।

2010 में लाओस और बांग्लादेश के संघ इस समारोह का आयोजन करेंगे। इस साल ऐसा अनुमान है कि बांग्लादेश, कंबोडिया, लाओस, इंडोनेशिया, भारत, नेपाल, बर्मा, थाइलैंड, वियतनाम और श्रीलंका से करीब 2000 भिक्षुओं की उपस्थिति होगी। भारत, कंबोडिया और बांग्लादेश के संघराजा भी समारोह में शामिल होंगे। पहले दिन विषिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में उद्घाटन समारोह का आयोजन होगा। हर शाम वरिष्ठ भिक्षु बोधि वृक्ष के नीचे धर्म वार्ता देंगें।

इस समारोह के महत्व पर टिप्पणी करते हुए अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक चान्टिंग समिति के अध्यक्ष आदरणीय ऊ न्यानिन्दा ने कहा :
'इस महान समारोह ने फिर से बुद्ध की निर्वाणभूमि पर महासंघ के इकट्ठा होकर बुद्धधर्म को भजने की स्थारावादिन परंपरा को स्थापित किया। इस निर्वाणभूमि पर विभिन्न देशों से आए महान शिक्षकों और उनके अनुगामियों के महोत्सव का दर्शन करना अत्यंत ही संतोषजनक व प्रेरणादायक है।'

आदरणीय डा. धर्मसेन महाथेरा, बांग्लादेश में बौद्धधर्म के सर्वोच्च कुलपति ने कहा : ''मुझे लगता है कि अशांति, परमाणु खतरों, पर्यावरण क्षरण, भ्रम, घृणा और लोभ की इस दुनिया में त्रिपिटक चान्टिंग समारोह सभी प्राणियों के लिए सुख व शांति का नवयुग लाने में सक्षम है।''

आदरणीय एस धर्मपाल महाथेरा, बांग्लादेष बौद्ध भिक्षु महासभा के संघनायक ने कहा : '' अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक चांटिंग समिति का पिछले कुछ वर्षो का चान्टिंग समारोह आयोजन करने का महान प्रयास उल्लेखनीय गति से जारी है और महासंघ व सभी लोगों के लिए उत्साह व प्रेरणा का श्रोत है।''

आदरणीय फ्र अचान महा फ़ोंग समलोक, लाओ बौद्ध फैलोषिप संगठन के कार्यवाहक अध्यक्ष ने इस अवसर पर कहा : ''इस अवसर पर, मैं दुनिया भर के सभी बौद्ध संघ और बौद्ध श्रद्धालुओं से अनुरोध करता हूँ कि वे इस त्रिपिटक चान्टिंग समारोह में भाग लें जो कि इस पवित्र भूमि पर भगवान बुद्ध का आभार व्यक्त करने का एक स्वर्ण अवसर है तथा उनके दिखाए गए नैतिकता, ध्यान व दान के पथ का भी अनुसरण करें।''

अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक चान्टिंग समिति के संदर्भ में अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट देखें:
www.tipitakachantingcouncil.org

अन्य जानकारी के लिये कृपया संपर्क करें:
आदरणीय डा. चंदासिरी चलोंग भान्टे, अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक चान्टिंग समिति के उपाध्यछ (+91 99558 19322)
श्रीमती वांगमो डिक्सी, लाइट आफ बुद्धधर्म फाउन्डेशन इन्टरनेश्नल (+91 99583 73642)